समाज का अध्ययन : भारत और उसके आगे

सामाजिक विज्ञान की पाठ्यपुस्तक
कक्षा 8 | भाग 1

© NCERT not to be republished

0883

विद्यया ऽमृतमश्नुते

एन सी ई आर टी
NCERT

राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्
NATIONAL COUNCIL OF EDUCATIONAL RESEARCH AND TRAINING

Reprint 2026-27

0883 – समाज का अध्ययन : भारत और उसके आगे
कक्षा 8 के लिए सामाजिक विज्ञान की पाठ्यपुस्तक, भाग 1

ISBN 978-93-5729-433-1

प्रथम संस्करण
नवंबर 2025 कार्तिक 1947

पुनर्मुद्रण
मार्च 2026 चैत्र 1948

PD ????T BS

© ***राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्, 2025***

₹ 65.00

एन.सी.ई.आर.टी. वॉटरमार्क 80 जी.एस.एम. पेपर पर मुद्रित।

सचिव, राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्, श्री अरविंद मार्ग, नई दिल्ली 110 016 द्वारा प्रकाशन प्रभाग में प्रकाशित तथा ?????

सर्वाधिकार सुरक्षित

- प्रकाशक की पूर्व अनुमति के बिना इस प्रकाशन के किसी भी भाग को छापना तथा, मशीनी, फ़ोटो प्रतिलिपि, रिकॉर्डिंग अथवा किसी अन्य विधि से पुन: प्रयोग पद्धति द्वारा उसका संग्रहण अथवा प्रचारण वर्जित है।
- इस पुस्तक की बिक्री इस शर्त के साथ की गई है कि प्रकाशन की पूर्व अनुमति के बिना यह पुस्तक अपने मूल आवरण अथवा जल्द के अलावा किसी अन्य प्रकार से व्यापार द्वारा उधारी पर, पुनर्विक्रय या किराए पर न दी जाएगी, न बेची जाएगी।
- इस प्रकाशन का सही मूल्य इस पृष्ठ पर मुद्रित है। रबड़ की मुहर अथवा चिपकाई गई पर्ची (स्टिकर) या किसी अन्य विधि द्वारा अंकित कोई भी संशोधित मूल्य गलत है तथा मान्य नहीं होगा।

रा.शै.अ.प्र.प. के प्रकाशन प्रभाग के कार्यालय

एन.सी.ई.आर.टी. कैंपस
श्री अरविंद मार्ग
नई दिल्ली 110 016 फोन : 011-26562708

108, 100 फीट रोड
हेली एक्सटेंशन, होस्डेकेरे
बनाशंकरी III इस्टेज
बेंगलुरू 560 085 फोन : 080-26725740

नवजीवन ट्रस्ट भवन
डाकघर नवजीवन
अहमदाबाद 380 014 फोन : 079-27541446

सी.डब्ल्यू.सी. कैंपस
निकट : धनकल बस स्टॉप पनिहटी
कोलकाता 700 114 फोन : 033-25530454

सी.डब्ल्यू.सी. कॉम्प्लेक्स
मालीगाँव
गुवाहाटी 781 021 फोन : 0361-2676869

प्रकाशन सहयोग

अध्यक्ष, प्रकाशन प्रभाग	:	एम. वी. श्रीनिवासन
मुख्य संपादक	:	बिज्ञान सुतार
मुख्य व्यापार प्रबंधक	:	अमिताभ कुमार
मुख्य उत्पादन अधिकारी (प्रभारी)	:	दीपक जैसवाल
सहायक उत्पादन अधिकारी	:	?????

आवरण, चित्रांकन एवं ले-आउट
बैनियन ट्री

कार्टोग्राफर
सतीश मौर्य

© NCERT not to be republished

आमुख

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 एक परिवर्तनकारी पाठ्यचर्या और शैक्षणिक संरचना की अनुशंसा करती है, जिसके मूल में भारतीय संस्कृति, सभ्यता और भारतीय ज्ञान परंपरा सन्निहित है। यह नीति विद्यार्थियों को इक्कीसवीं सदी की संभावनाओं और चुनौतियों के साथ रचनात्मक रूप से जुड़ने के लिए तैयार करती है। यह दूरदर्शी परिप्रेक्ष्य, *विद्यालयी शिक्षा के लिए राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा 2023* में सभी स्तरों और पाठ्यचर्या क्षेत्रों में समाहित है। बुनियादी और प्रारंभिक स्तर, मानवीय अस्तित्व के पाँचों आयामों को स्पर्श करते हुए विद्यार्थियों की अंतर्निहित योग्यताओं के संपोषण के साथ पंचकोश के अधिगम प्रतिफलों की मध्यावस्था की ओर प्रगति का मार्ग प्रशस्त करते हैं। इस प्रकार, मध्य स्तर कक्षा 6 से कक्षा 8 तक तीन वर्षों को समाहित करते हुए प्रारंभिक और माध्यमिक स्तरों के बीच एक सेतु का कार्य करता है।

मध्य स्तर पर इस राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा का उद्देश्य है— विद्यार्थियों को उन आवश्यक कौशलों में दक्ष बनाना, जो उनकी विश्लेषणात्मक, वर्णनात्मक और सृजनात्मक क्षमताओं को प्रोत्साहित करें तथा उन्हें आने वाली चुनौतियों और अवसरों के लिए तैयार करें। मध्य स्तर पर राष्ट्रीय पाठ्यचर्या के आधार पर विकसित बहुआयामी पाठ्यक्रम में ऐसे नौ विषय सम्मिलित किए गए हैं, जो विद्यार्थियों के समग्र विकास को प्रोत्साहित करते हैं। इसमें तीन भाषाओं (कम से कम दो भारतीय मूल की भाषाएँ) सहित विज्ञान, गणित, सामाजिक विज्ञान, कला शिक्षा, शारीरिक शिक्षा एवं आरोग्य और व्यावसायिक शिक्षा सम्मिलित हैं।

ऐसी परिवर्तनकारी शिक्षण-संस्कृति के लिए अनुकूल परिस्थितियों की आवश्यकता होती है। इसे व्यावहारिक रूप देने के लिए विभिन्न विषयों की उपयुक्त पाठ्यपुस्तकें भी होनी चाहिए। पाठ्य-सामग्री और पठन-पाठन के उपागमों के मध्य इन पाठ्यपुस्तकों की महत्वपूर्ण भूमिका होगी। यह निर्णायक भूमिका बच्चों की जिज्ञासा और अन्वेषणात्मक प्रवृत्ति के बीच एक विवेकपूर्ण संतुलन बनाएगी। कक्षा-नियोजन और विषय-अध्ययन के मध्य संतुलन बनाने हेतु शिक्षकों का प्रशिक्षण और तैयारी भी आवश्यक है।

राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद् निरंतर गुणवत्तापूर्ण पाठ्यपुस्तकें तैयार करने के लिए एक प्रतिबद्ध संस्था है। विभिन्न विषयों में पाठ्यचर्या समूहों का गठन किया गया है। इनमें सम्मिलित संबंधित विषय-विशेषज्ञों, शिक्षाशास्त्रियों और अध्यापकों ने ऐसी गुणवत्तापूर्ण पाठ्यपुस्तकें तैयार करने हेतु हरसंभव प्रयास किया है। सामाजिक विज्ञान की यह पाठ्यपुस्तक *समाज का अध्ययन : भारत और उसके आगे, भाग 1* मध्य स्तर के तृतीय/अंतिम वर्ष हेतु तैयार की गई है। यह कक्षा 6 और 7 के विषयों और दृष्टिकोणों को ही आगे बढ़ाते हुए मुख्यत: मूल अवधारणाओं और प्रमुख घटनाओं पर ध्यान केंद्रित करती है। यह पाठ्यपुस्तक रोचक ढंग

© NCERT not to be republished

से तैयार किए गए चित्रों, मानचित्रों और चित्रांकनों के माध्यम से विद्यार्थियों को सिखाने का प्रयास करती है। पाठ्यपुस्तक में अन्वेषण, खोज और अर्थ-निर्माण में सहायक चिंतन-मनन को प्रोत्साहित करने वाले अनेकानेक अभ्यास और गतिविधियाँ हैं। विद्यार्थियों को विचारों और अवधारणाओं को समग्र रूप से समझने में सहायता प्रदान करने हेतु बहुविषयी परिप्रेक्ष्य के साथ विषयगत दृष्टिकोण की निरंतरता रखी गई है।

पाठ्यपुस्तक उन मूल्यों को समेकित करती है जिन्हें हम अपने विद्यार्थियों में विकसित करना चाहते हैं। यह भारतीय सांस्कृतिक संदर्भ में निहित होने के साथ ही आयु के अनुसार वैश्विक दृष्टिकोण भी प्रस्तुत करती है। मेरे विचार से, सभी व्यावहारिक उद्देश्यों की दृष्टि से यह पाठ्यपुस्तक अपने पाठ्यचर्या लक्ष्यों की प्राप्ति में सफल रही है, जैसे— सामग्री के उचित चयन के माध्यम से एक ओर यह विद्यार्थियों में स्वाभाविक जिज्ञासा को बढ़ावा देती है, वहीं दूसरी ओर यह राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा 2023 की संस्तुतियों के अनुरूप शैक्षणिक दृष्टिकोण अपनाने की दिशा में भी सफल सिद्ध हुई है।

इस पाठ्यपुस्तक के अतिरिक्त, इस स्तर पर विद्यार्थियों को अन्य शिक्षण-संसाधनों का अन्वेषण करने हेतु भी प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। ऐसे संसाधन उपलब्ध कराने में विद्यालय के पुस्तकालय की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। इसके साथ ही, विद्यार्थियों को इन प्रयासों हेतु मार्गदर्शन और प्रोत्साहन देने में अभिभावकों और शिक्षकों की भूमिका भी अत्यंत महत्वपूर्ण होगी।

मैं इस पाठ्यपुस्तक के विकास में सम्मिलित सभी व्यक्तियों के प्रति आभार व्यक्त करता हूँ, जिन्होंने इस उत्कृष्ट प्रयास को साकार किया है। मैं आशा करता हूँ कि यह पुस्तक सभी हितधारकों की अपेक्षाओं को पूर्ण करेगी। साथ ही, हम आपकी टिप्पणियों एवं सुझावों का स्वागत करते हैं, जिनसे भावी संस्करणों को और भी उत्कृष्ट बनाया जा सकेगा।

दिनेश प्रसाद सकलानी
निदेशक
राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्

अक्तूबर 2025
नई दिल्ली

© NCERT not to be republished

Reprint 2026-27

विद्यार्थी के नाम पत्र

प्रिय विद्यार्थी,

अब आप मध्य स्तर के तृतीय और अंतिम वर्ष में प्रवेश कर चुके हैं। हम इस वर्ष सामाजिक विज्ञान में अपने देश भारत के पाँच विविध विषयों के अतिरिक्त पहलुओं के बारे में जानेंगे। ये विषय हैं— भारत एवं विश्व : भूभाग एवं उनके निवासी, अतीत के चित्रपट, हमारी सांस्कृतिक विरासत एवं ज्ञान परंपराएँ, शासन प्रणाली और लोकतंत्र तथा हमारे आस-पास का आर्थिक जीवन। आप अतीत में रहने वाले विभिन्न प्रकार के लोगों, उनकी उपलब्धियों, उनकी त्रुटियों और उनके समाज, संस्कृति तथा अर्थव्यवस्था पर पड़े प्रभावों से परिचित होंगे। साथ ही आप यह भी समझेंगे कि वे हमारे लिए आज क्या महत्व रखते हैं। चूँकि अब आप बड़े हो गए हैं, इसलिए चिंतनशील अभ्यासों और गतिविधियों के माध्यम से कुछ अतिरिक्त पठन, लेखन और कार्य करना होगा, जिसमें कुछ छोटे शोध-अध्ययन भी सम्मिलित हैं जिन्हें आपको स्वयं करना होगा। पाठ्यपुस्तक में कुछ पाठ अपेक्षाकृत विस्तृत भी हैं। हमने कक्षा 6 और 7 की भाँति रंगीन मानचित्रों, चित्रों और चित्रांकनों का पर्याप्त उपयोग किया है, जिनसे हमें आशा है कि आप बेहतर रूप से दृश्यावलोकन कर सकेंगे।

अच्छी शिक्षा का उद्देश्य समझ और आत्मचिंतन को विकसित करना होता है। इस उद्देश्य से हमने आपके लिए अन्वेषण करने, खोजने, सोचने, कल्पना करने, सृजन करने, प्रश्न पूछने और उत्तर प्रस्तावित करने के अनेक अवसर प्रदान किए हैं।

आप पाएँगे कि प्रत्येक प्रकरण कैसे न केवल इतिहास, भूगोल, राजनीति विज्ञान या अर्थशास्त्र, बल्कि कला, साहित्य और विज्ञान के अनेक विषयों के विभिन्न प्रकारों के विचारों को एक साथ लाता है। यह हमें वास्तविक जीवन के निकट लाता है और वर्तमान की घटनाओं को समझने में सहायता करता है।

संक्षेप में, आप पाएँगे कि अतीत के सूत्र वर्तमान की बनावट का भाग बने रहते हैं और हमें भविष्य के लिए उसे सुदृढ़ बनाने हेतु रूपरेखा प्रदान करते हैं।

भारत के समृद्ध एवं विशाल आयामों— भौगोलिक और मानवीय दोनों— को देखते हुए, हम आपके साथ बहुत-कुछ साझा करना चाहते हैं; किसे सम्मिलित किया जाए और किसे छोड़ दिया जाए, इसके निर्धारण ने तर्कों और मनोव्यथा को उत्पन्न किया क्योंकि इस प्रक्रिया में भाग लेने वाले आपके सामने सर्वोत्कृष्ट प्रस्तुत करना चाहते थे। अंत में यह एक संवर्धनशील एवं संतोषजनक कार्य रहा। हमें आशा है कि यह आपके लिए एक आनंददायक अनुभव रहेगा।

* * *

© NCERT not to be republished

Reprint 2026-27

हम यहाँ कुछ महत्वपूर्ण जानकारी भी दे रहे हैं। इस पाठ्यपुस्तक का प्रत्येक भाग— पाठ्य-सामग्री, पार्श्व-प्रकोष्ठ, छवि अथवा मानचित्र — मूल्यांकन एवं आकलन का विषय हो सकता है। लेकिन, इसके अपवाद हैं—

- *सूक्ति या सूक्तियाँ अध्याय के प्रथम पृष्ठ पर दी गई हैं। कुछ सूक्तियाँ सीधी-सरल हैं, तो कुछ गहन विचार के लिए हैं। यदि ये आपको पहली बार पढ़ने पर समझ में न आएँ, तो कोई बात नहीं। ये आपको प्रेरणा या प्रोत्साहन देने के लिए हैं।*
- *अगले कुछ पृष्ठों में दी गई 'इस पुस्तक के साथ आपकी यात्रा' संबंधित सामग्री।*
- *शब्दावली (पाठ्यपुस्तक के अंत में)।*

उपरोक्त का मूल्यांकन नहीं किया जाएगा।

* * *

© NCERT not to be republished

Reprint 2026-27

इस पुस्तक के साथ आपकी यात्रा

मध्य स्तर में आपका यह अंतिम वर्ष है। यह एक ऐसा स्तर है, जिसमें आप नए विचारों को प्राप्त करते हैं, प्रश्न पूछते हैं और अपने आस-पास के विश्व के बारे में समझ का निर्माण करते हैं। अब तक आप सामाजिक विज्ञान के अध्ययन में सहज हो चुके हैं और अधिक गहराई में जाने को तत्पर हैं। इस वर्ष हमारी यात्रा हमें प्राकृतिक संसाधनों तथा उसके उपयोग, अतीत में हुए राजनैतिक एवं सांस्कृतिक परिवर्तनों, चुनावी प्रक्रिया के माध्यम से हमारे लोकतंत्र की कार्य प्रणाली के आयोजन, अन्वेषण तथा चिंतन-मनन की ओर ले जाएगी। साथ ही, हम इस बारे में निरंतर प्रश्न पूछते रहेंगे कि समाज अपने आपको कैसे संगठित करते हैं, संसाधन कैसे उत्पाद बनते हैं और नागरिक कैसे शासन में भाग लेते हैं।

इस पुस्तक में रोचक विशेषताएँ हैं। जैसे-जैसे आप पृष्ठों को पलटेंगे, विभिन्न प्रकार के रंगीन आरेख, चित्र, मानचित्र और चित्रांकन देखेंगे। आइए, आपको इस पुस्तक और इसकी विशेषताओं की झलक दिखाते हैं। आपके शिक्षक भी इस संदर्भ में आपका मार्गदर्शन करेंगे।

प्रत्येक अध्याय के आरंभ में एक प्रसिद्ध व्यक्ति या ग्रंथ का एक **प्रेरक उद्धरण** दिया गया है। इसे पढ़िए और स्मरण रखिए। इनमें से कुछ उद्धरण गूढ़ विचार हैं। यदि आप इन्हें तुरंत समझ नहीं पाते हैं तो चिंता न करें। आप बाद में उन्हें पुन: पढ़ सकते हैं और कक्षा में उनके बारे में चर्चा की जा सकती है। यहाँ एक उदाहरण प्रस्तुत किया गया है —

> *भारत जैसे देश में संवृद्धि और उत्पादकता में संभवत: सर्वाधिक योगदान भूमि, श्रम और पूँजी के अधिक दक्षतापूर्ण उपयोग से आता है, अतः इनका उपयोग अधिक दक्षतापूर्वक किया जाना चाहिए।*
>
> *— बिबेक देबरॉय*
> *अध्यक्ष, प्रधानमंत्री की*
> *आर्थिक सलाहकार परिषद् (2017–24)*

मूल पाठ सरल भाषा में लिखा गया है। आप भारत और अन्य स्थानों के लोगों एवं स्थलों के विषय में जानकारी प्राप्त करेंगे।

© NCERT not to be republished

प्राकृतिक संसाधनों का दायित्वपूर्ण और विवेकपूर्ण उपयोग— प्रबंधन

जैव-विविधता की हानि
पृथ्वी पर जीवन की विविधता में ह्रास

पृथ्वी पर जीवन को स्थापित रखने हेतु आवश्यक है कि हम प्रकृति का सम्मान करें और प्राकृतिक संसाधनों का उपयोग इस प्रकार करें जिससे नवीकरणीय संसाधनों का पुनर्स्थापन एवं पुनर्जनन संभव हो सके तथा अनवीकरणीय संसाधनों का दायित्वपूर्ण एवं न्यायसंगत उपयोग हो सके।

इन विषयों का अध्ययन करने वाले वैज्ञानिकों ने चेतावनी दी है कि प्राकृतिक संसाधनों के अविवेकपूर्ण दोहन के कारण प्रदूषण, **जैव-विविधता की हानि** और जलवायु परिवर्तन जैसी समस्याएँ उत्पन्न हुई हैं जो हाल के वर्षों में तीव्रता से घटित हो रही हैं।

तकनीकी शब्दों को पाठ के हाशिए में समझाया गया है। इन शब्दों को पुस्तक के अंत में दी गई **शब्दावली** में भी सम्मिलित किया गया है। इसके अतिरिक्त हमने कुछ ऐसे शब्द सम्मिलित किए हैं, जिनसे हो सकता है कि आप परिचित न हों। शब्दावली को प्रायः देखते रहें।

महत्वपूर्ण प्रश्न अनुभाग में तीन या पाँच प्रश्नों के माध्यम से आपको यह अनुमान हो जाएगा कि इस अध्याय में आप क्या जानने वाले हैं।

महत्वपूर्ण प्रश्न ?

1. *मराठा कौन थे? वे ब्रिटिश शासन स्थापित होने से पूर्व भारतवर्ष की सबसे बड़ी अखिल भारतीय शक्ति कैसे बने?*
2. *उनके शासन प्रणाली की प्रमुख विशेषताएँ क्या थीं?*
3. *भारतीय इतिहास पर मराठा साम्राज्य का क्या प्रभाव पड़ा?*

इसमें अध्याय को पढ़ते हुए **'आइए पता लगाएँ', 'आइए विचार करें'** और **'पुनरावलोकन करें'** जैसे कुछ खंड मिलेंगे। इनमें गतिविधियाँ, पाठगत अभ्यास या वह विषय दिए गए हैं, जो आगे गहन चिंतन के अवसर प्रदान करते हैं।

आइए पता लगाएँ

लगभग 34 प्रतिशत मतदाताओं ने 2024 के चुनावों में मताधिकार का प्रयोग नहीं किया। आपके विचार से ऐसा क्यों है? लोग अपने अधिकारों का प्रयोग करने में किन-किन चुनौतियों का सामना करते हैं? इन प्रश्नों के उत्तर के लिए अपने परिवार और पड़ोस में बड़ों के साथ एक लघु सर्वेक्षण करें। सर्वेक्षण के निष्कर्षों का विश्लेषण करें और सुझावों के साथ एक प्रतिवेदन लिखें कि प्रत्येक व्यक्ति द्वारा अपने मत का उपयोग कैसे सुनिश्चित किया जा सकता है।

© NCERT not to be republished

Reprint 2026-27

आइए विचार करें

- ऊपर दिए गए उदाहरण से युवा उद्यमी कौन-कौन सी बातें सीख सकते हैं?
- क्या उद्यमी का वर्तमान ज्ञान तात्कालिक समस्या के समाधान में सहायक होता है अथवा इसके लिए उन्हें अन्य स्रोतों की आवश्यकता पड़ती है?
- क्या किसी उद्यमी की एकमात्र प्रेरणा लाभ कमाना ही होना चाहिए? क्यों अथवा क्यों नहीं?
- एक सफल उद्यमी बनने के लिए व्यक्तित्व में और कौन-से गुणों की आवश्यकता होती है?

पुनरावलोकन करें

भारत एक संसदीय लोकतंत्र है, जहाँ नागरिक राष्ट्रीय स्तर पर लोकसभा (संसद के निम्न सदन) के लिए प्रतिनिधियों को चुनते हैं। यह संपूर्ण देश को प्रभावित करने वाली समस्याओं पर विचार करती है। इसके अतिरिक्त, मतदाता अपने पंजीकृत निर्वाचन क्षेत्र से राज्य एवं केंद्रशासित प्रदेशों की विधान सभाओं के लिए प्रतिनिधियों का चुनाव करते हैं। ये सदस्य मुख्यत: क्षेत्रीय समस्याओं पर ध्यान केंद्रित करते हैं।

'इसे अनदेखा न करें' खंड में कुछ रोचक अथवा मजेदार तथ्य दिए गए हैं, जो आपकी जिज्ञासा को जागृत करते हैं।

इसे अनदेखा न करें

टी.एन. शेषन 1990 में मुख्य निर्वाचन आयुक्त बने। उन्होंने स्वतंत्र और निष्पक्ष ढंग से चुनाव सुनिश्चित करने के लिए सुधार किए। इन सुधारों में सम्मिलित हैं—चुनाव प्रचार अभियान चलाने के लिए सुस्पष्ट नियमों का पालन तथा परोक्षी मतदान (प्रॉक्सी वोटिंग) की समाप्ति के लिए मतदाता परिचय पत्र और प्रत्याशियों द्वारा चुनाव में व्यय पर कड़ी चौकसी। टी.एन. शेषन ने मतदाताओं के अधिकारों के संरक्षण के लिए कठोर प्रयास किए और उन्हें प्राय: ऐसे अधिकारी के रूप में याद किया जाता है, जिन्होंने भारतीय चुनावों को निष्पक्ष, पारदर्शी और भयरहित बनाया।

चित्र 5.21—टी.एन. शेषन

आगे बढ़ने से पहले...

- 'प्राकृतिक संसाधन' वे पदार्थ और सामग्रियाँ हैं जो प्रकृति में पाए जाते हैं एवं मानव के लिए मूल्यवान हैं।
- संसाधनों को वर्गीकृत करने के विभिन्न तरीके हैं; इनमें नवीकरणीय और अनवीकरणीय उपयोगी श्रेणियाँ हैं।
- प्रौद्योगिकी एवं कौशल के विकास में निवेश के माध्यम से 'संसाधन अभिशाप' पर नियंत्रण पाया जा सकता है।
- हमें नवीकरणीय ऊर्जा के उपयोग की दर के बारे में सतर्क रहने की आवश्यकता है, जिससे उनका अत्यधिक दोहन न हो। अनवीकरणीय ऊर्जा का विवेकपूर्ण और बुद्धिमत्तापूर्ण उपयोग उनकी उपलब्धता को लंबे समय तक बनाए रखने में सक्षम बनाएगा।

प्रत्येक अध्याय के अंत में **'आगे बढ़ने से पहले...'** दिया गया है, जो पाठ के मूल विचारों को संक्षिप्त रूप से प्रस्तुत करता है। तत्पश्चात अभ्यास, प्रश्न अथवा परियोजनाएँ दी गई हैं।

© NCERT not to be republished

Reprint 2026-27

प्रत्येक अध्याय के पहले पृष्ठ पर एक क्यू.आर. कोड दिया गया है, जो आपको इस अध्याय की विषयवस्तु से संबंधित संसाधनों तक ले जाएगा। इसको स्वयं अथवा किसी वयस्क की सहायता से स्कैन कीजिए और सामग्री का अवलोकन कीजिए।

अंत में, याद रखें कि अध्याय – 'भारत के राजनैतिक मानचित्र का पुनर्निर्माण', इसी पुस्तक के भाग 2 (जो आगे प्रकाशित होगी) में सम्मिलित किया जाएगा को अध्याय – 'सांस्कृतिक धाराएँ— 13वीं से 17वीं शताब्दी तक' के साथ पढ़ा जाना चाहिए।

तदनुसार इस भाग 1 में विषय (ग)— 'हमारी सांस्कृतिक विरासत एवं ज्ञान परंपराएँ' नहीं है। इसे भाग 2 में दिया जाएगा।

इस पाठ्यपुस्तक के अध्ययन में आपके शिक्षक आपके साथ होंगे। हम आशा करते हैं कि आप इस पुस्तक के कुछ अंशों का अध्ययन अपने माता-पिता या अभिभावकों के साथ भी करेंगे। संभवतः कुछ गतिविधियों को उनके साथ करना आपको अच्छा लगेगा।

हम सामाजिक विज्ञान के द्वारा मानव-जीवन एवं समाज पर गहरी अंतदृष्टि विकसित करने की आपकी इस यात्रा के आनंदप्रद होने की कामना करते हैं।

© NCERT not to be republished

Reprint 2026-27

राष्ट्रीय पाठ्यक्रम और शिक्षण अधिगम सामग्री समिति (एन.एस.टी.सी.)

1. एम. सी. पंत., *कुलाधिपति,* राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन संस्थान (**अध्यक्ष)**
2. मञ्जुल भार्गव, *आचार्य*, प्रिंसटन यूनिवर्सिटी (**सह-अध्यक्ष**)
3. सुधा मूर्ति, *प्रतिष्ठित लेखिका* एवं शिक्षाविद्
4. स्व. बिबेक देबरॉय, *अध्यक्ष,* प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद् (ई.ए.सी.–पी.एम.)
5. शेखर मांडे, पूर्व *महानिदेशक*, *सी.एस.आई.आर. एवं प्रतिष्ठित आचार्य,* सावित्रीबाई फुले पुणे विश्वविद्यालय,पुणे
6. सुजाता रामदोरई, *आचार्य*, ब्रिटिश कोलंबिया विश्वविद्यालय, कनाडा
7. शंकर महादेवन, संगीत विशेषज्ञ, मुंबई
8. यू. विमलकुमार, *निदेशक,* प्रकाश पादुकोण बैडमिंटन अकादमी, बेंगलुरू
9. मिशेल डैनिनो, *अतिथि आचार्य*, आई.आई.टी., गाँधीनगर
10. सुरीना राजन, *आई.ए.एस. (सेवानिवृत्त),* हरियाणा; पूर्व *महानिदेशक*, एच.आई.पी.ए.
11. चमू कृष्ण शास्त्री, *अध्यक्ष*, भारतीय भाषा समिति, शिक्षा मंत्रालय
12. संजीव सान्याल, *सदस्य,* प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद् (ई.ए.सी.–पी.एम.)
13. एम.डी. श्रीनिवास*, अध्यक्ष*, सेंटर फॉर पॉलिसी स्टडीज, चेन्नई
14. गजानन लोंढे, *प्रमुख*, कार्यक्रम कार्यालय, एन.एस.टी.सी.
15. रेबिन छेत्री*, निदेशक*, एस.सी.ई.आर.टी., सिक्किम
16. प्रत्यूष कुमार मंडल, *आचार्य*, सामाजिक विज्ञान शिक्षा विभाग, रा.शै.अ. प्र.प., नई दिल्ली
17. दिनेश कुमार, *आचार्य*, योजना और अनुवीक्षण विभाग, रा.शै.अ. प्र.प., नई दिल्ली
18. कीर्ति कपूर, *आचार्य*, भाषा शिक्षा विभाग, रा.शै.अ. प्र.प., नई दिल्ली
19. रंजना अरोड़ा, *आचार्य एवं अध्यक्ष,* पाठ्यक्रम अध्ययन एवं विकास विभाग, रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली **(सदस्य-सचिव)**

© NCERT not to be republished

Reprint 2026-27

भारत का संविधान

भाग–3 (अनुच्छेद 12–35)

(अनिवार्य शर्तों, कुछ अपवादों और युक्तियुक्त निर्बंधन के अधीन)

द्वारा प्रदत्त

मूल अधिकार

समता का अधिकार

- विधि के समक्ष एवं विधियों के समान संरक्षण;
- धर्म, मूलवंश, जाति, लिंग या जन्मस्थान के आधार पर;
- लोक नियोजन के विषय में;
- अस्पृश्यता और उपाधियों का अंत।

स्वातंत्र्य-अधिकार

- अभिव्यक्ति, सम्मेलन, संघ, संचरण, निवास और वृत्ति का स्वातंत्र्य;
- अपराधों के लिए दोष सिद्धि के संबंध में संरक्षण;
- प्राण और दैहिक स्वतंत्रता का संरक्षण;
- छः से चौदह वर्ष की आयु के बच्चों को निःशुल्क एवं अनिवार्य शिक्षा;
- कुछ दशाओं में गिरफ्तारी और निरोध से संरक्षण।

शोषण के विरुद्ध अधिकार

- मानव के दुर्व्यापार और बलात श्रम का प्रतिषेध;
- परिसंकटमय कार्यों में बालकों के नियोजन का प्रतिषेध।

धर्म की स्वतंत्रता का अधिकार

- अंतःकरण की और धर्म के अबाध रूप से मानने, आचरण और प्रचार की स्वतंत्रता;
- धार्मिक कार्यों के प्रबंध की स्वतंत्रता;
- किसी विशिष्ट धर्म की अभिवृद्धि के लिए करों के संदाय के संबंध में स्वतंत्रता;
- राज्य निधि से पूर्णतः पोषित शिक्षा संस्थाओं में धार्मिक शिक्षा या धार्मिक उपासना में उपस्थित होने के संबंध में स्वतंत्रता।

संस्कृति और शिक्षा संबंधी अधिकार

- अल्पसंख्यक-वर्गों को अपनी भाषा, लिपि या संस्कृति विषयक हितों का संरक्षण;
- अल्पसंख्यक-वर्गों द्वारा अपनी शिक्षा संस्थाओं का स्थापन और प्रशासन।

सांविधानिक उपचारों का अधिकार

- उच्चतम न्यायालय एवं उच्च न्यायालय के निर्देश या आदेश या रिट द्वारा प्रदत्त अधिकारों को प्रवर्तित कराने का उपचार।

© NCERT not to be republished

Reprint 2026-27

पाठ्यपुस्तक निर्माण समिति

सी.ए.जी. (सामाजिक विज्ञान) अध्यक्ष

मिशेल डैनिनो, *अतिथि आचार्य*, आई.आई.टी. गाँधीनगर

सी.ए.जी. (अर्थशास्त्र) अध्यक्ष

संजीव सान्याल, *सदस्य*, ई.ए.सी – पी.एम.

सहयोग

अजीज महदी, फारसी अध्येता एवं पूर्व *फैलो*, भारतीय उच्च अध्ययन संस्थान, शिमला; तथा *सदस्य*, सी.ए.जी. (सामाजिक विज्ञान)

अल्का सिंह, *सहायक आचार्य* (भूगोल), सामाजिक विज्ञान एवं मानविकी शिक्षा विभाग, क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल, रा.शै.अ.प्र.प.

आशीर्वाद द्विवेदी, *फैकल्टी* ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज, श्रीराम कॉलेज ऑफ कॉमर्स, दिल्ली विश्वविद्यालय

एम.वी. श्रीनिवासन, *आचार्य*, सामाजिक विज्ञान शिक्षा विभाग, रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली

अंकुर कक्कड़, *सह-आचार्य*, सेंटर फॉर इंडिक स्टडीज, इंडस यूनिवर्सिटी, अहमदाबाद

कुमारी रोहिणी, *आचार्य* (इतिहास), सामाजिक विज्ञान शिक्षा विभाग, रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली

जॉनसन ओडाक्कल, *कोमोडोर* (*सेवानिवृत्त*) एवं पूर्व *निदेशक*, मैरिटाइम हिस्ट्री सोसाइटी; *फैकल्टी*, आदित्य बिड़ला वर्ल्ड एकेडमी

जावेद इकबाल भट, *सहायक आचार्य*, पोस्ट ग्रेजुएट डिपार्टमेंट ऑफ इंग्लिश, कश्मीर विश्वविद्यालय

दिव्या इंद्रा चटर्जी, *चार्टर्ड अकाउंटेंट*; *सीनियर कंसल्टेंट*, कार्यक्रम कार्यालय, एन.एस.टी.सी.

दीया तन्मय देवरे, *संकाय सदस्य* (अर्थशास्त्र), सिंबायोसिस कॉलेज ऑफ आर्ट्स एंड कॉमर्स, पुणे

नबज्योति डेका, *सहायक आचार्य*, फैकल्टी ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज, श्रीराम कॉलेज ऑफ कॉमर्स, दिल्ली विश्वविद्यालय

निखिल बेल्लारिकर, इतिहासकार, लेखक एवं अनुवादक

पवन कुमार, *सहायक आचार्य* एवं *प्रभारी*, भूगोल विभाग, फैकल्टी ऑफ अर्थ, एनवार्यनमेंट एंड स्पेस साइंसेज, चौधरी बंसीलाल विश्वविद्यालय, प्रेम नगर, भिवानी

पायल मुखर्जी, *संकाय सदस्य*, सामाजिक विज्ञान एवं मानविकी विभाग, इंद्रप्रस्थ सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान दिल्ली; तथा *सहायक संकाय सदस्य*, अंग्रेजी विभाग, कला एवं विज्ञान महाविद्यालय, सस्केचवन विश्वविद्यालय, कनाडा

पूर्वा भट्ट, *सीनियर कंसल्टेंट*, कार्यक्रम कार्यालय, एन.एस.टी.सी.

प्राची लाहिरी, *शिक्षक* (इतिहास), नेशनल पब्लिक स्कूल, बेंगलुरू

© NCERT not to be republished

प्रोबल रॉय चौधरी, *निदेशक*, न्यू इंडियन स्टडीज केंद्र तथा *आचार्य*, अंग्रेजी विभाग, सिस्टर निवेदिता विश्वविद्यालय, कोलकाता

भावना पालीवाल, *एजुकेटर* एवं *सीनियर कंसल्टेंट*, कार्यक्रम कार्यालय, एन.एस.टी.सी.

भैरू लाल यादव, *सह-आचार्य*, सामाजिक विज्ञान शिक्षा विभाग, रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली

राधा नारायणन, *शोधकर्ता* और *लेखक*, इतिहास पाठ्यपुस्तक, चिन्मय मिशन, चेन्नई

रिद्धि गर्ग, *संपादक*, *सीनियर कंसल्टेंट*, कार्यक्रम कार्यालय, एन.एस.टी.सी.

रुचिका सिंह, *सहायक आचार्य*, भूगोल विभाग, इलाहाबाद विश्वविद्यालय और *समन्वयक*, आई.के.एस. प्रभाग, शिक्षा मंत्रालय

सविता सागर, *सहायक आचार्य*, (राजनीति विज्ञान), सामाजिक विज्ञान शिक्षा विभाग, रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली

सीमा शुक्ला ओझा, *आचार्य* (इतिहास) सामाजिक विज्ञान शिक्षा विभाग, रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली; तथा *सदस्य*, सी.ए.जी. (सामाजिक विज्ञान)

सुपर्णा दिवाकर, *एजुकेटर* एवं *डेवलपमेंट सेक्टर प्रोफेशनल*; *चीफ कंसल्टेंट*, कार्यक्रम कार्यालय, एन.एस.टी.सी.

सुमन गौतम, *प्रधानाचार्य*, शिवा इंटरनेशनल रेजिडेंशियल स्कूल, बिलासपुर, हिमाचल प्रदेश

सुरेंद्र सी. ठाकुर देसाई, *आचार्य* एवं *विभागाध्यक्ष*, भूगोल और ग्रामीण विकास, गोगटे जोगलेकर कॉलेज, रत्नागिरि

सृष्टि चौहान, *यंग प्रोफेशनल*, (ई.ए.सी.–पी.एम.) नीति आयोग

सौम्या डे, *आचार्य*, ऋषिहुड विश्वविद्यालय

संदीपा मदान, *एजुकेटर*, शिव नादर स्कूल, गुरुग्राम

समीक्षक

अदिति मिश्रा, *निदेशक प्रधानाचार्य*, दिल्ली पब्लिक स्कूल, गुरुग्राम तथा *शिक्षक* — कनु चोपड़ा, लीजा दत्ता, अवनी मेहता, ममता कुमार, सुपर्णा शर्मा

अपर्णा पांडे, *आचार्य* (भूगोल), सामाजिक विज्ञान शिक्षा विभाग, रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली

अश्विनी लोंढे, *शैक्षिक मनोवैज्ञानिक*, संवित रिसर्च फाउंडेशन, बेंगलुरु

जया सिंह, *आचार्य* (अर्थशास्त्र), सामाजिक विज्ञान शिक्षा विभाग, रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली

तनु मलिक, *आचार्य* (भूगोल), सामाजिक विज्ञान शिक्षा विभाग, रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली

प्रतिमा कुमारी, *आचार्य* (अर्थशास्त्र), सामाजिक विज्ञान शिक्षा विभाग, रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली

बीरबल लूनीवाल, *सहायक आचार्य* (भूगोल), सामाजिक विज्ञान शिक्षा विभाग, रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली

रश्मि, *सह-आचार्य* (वाणिज्य, व्यवसाय अध्ययन), सामाजिक विज्ञान शिक्षा विभाग, रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली

वांगथांग खोबुंग, *सहायक आचार्य* (राजनीति विज्ञान), सामाजिक विज्ञान शिक्षा विभाग, रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली

© NCERT not to be republished

Reprint 2026-27

शिप्रा वैद्या, *आचार्य* (वाणिज्य), सामाजिक विज्ञान शिक्षा विभाग, रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली

शिवकुमार जोलाड, *सह-आचार्य,* पब्लिक पॉलिसी, स्कूल ऑफ लिबरल एजुकेशन, फ्लेम यूनिवर्सिटी, पुणे

शंकर शरण, *आचार्य* (राजनीति विज्ञान), सामाजिक विज्ञान शिक्षा विभाग, रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली

साईनाथ शंकरराव कबाड़े, *सहायक आचार्य* (इतिहास), सामाजिक विज्ञान शिक्षा विभाग, रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली

सुभाष सिंह, *सहायक आचार्य* (राजनीति विज्ञान), सामाजिक विज्ञान शिक्षा विभाग, रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली

सी.ए.जी. (सामाजिक विज्ञान) संयोजक

गौरी श्रीवास्तव, *आचार्य* (इतिहास), सामाजिक विज्ञान शिक्षा विभाग, रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली

सी.ए.जी. (अर्थशास्त्र) संयोजक

एम.वी. श्रीनिवासन, *आचार्य* (अर्थशास्त्र) सामाजिक विज्ञान शिक्षा विभाग, रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली

हिंदी अनुवाद

अंकित जोशी, *प्रवक्ता*, राजनीति विज्ञान, रा.ई.का. बुरांसखंडा, रायपुर, देहरादून, उत्तराखंड

कुमारी रोहिणी, *सहायक आचार्य*, (इतिहास), सामाजिक विज्ञान शिक्षा विभाग, रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली

गिरीश कुमार तिवारी, *सहायक आचार्य* (हिंदी), भाषा शिक्षा विभाग, रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली

गौरी श्रीवास्तव, *आचार्य* (इतिहास), सामाजिक विज्ञान शिक्षा विभाग, रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली

प्रतिमा कुमारी, *आचार्य* (अर्थशास्त्र), सामाजिक विज्ञान शिक्षा विभाग, रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली

बीरबल लूनीवाल, *सहायक आचार्य* (भूगोल), सामाजिक विज्ञान शिक्षा विभाग, रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली

श्रीपाल जैन, वरिष्ठ *हिंदी संपादक*

सविता सागर, *सहायक आचार्य*, (राजनीति विज्ञान), सामाजिक विज्ञान शिक्षा विभाग, रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली

साईनाथ शंकरराव कबाड़े, *सहायक आचार्य* (इतिहास), सामाजिक विज्ञान शिक्षा विभाग, रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली

सुभाष सिंह, *सहायक आचार्य* (राजनीति विज्ञान), सामाजिक विज्ञान शिक्षा विभाग, रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली

सौरभ कुमार सुमन, *रिसर्च एसोसिएट*, डॉ. अंबेडकर अंतर्राष्ट्रीय केंद्र, सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली

© NCERT not to be republished

Reprint 2026-27

हिंदी अनुवाद समीक्षा

अजीत कुमार साहू, *सह-आचार्य* (अर्थशास्त्र), जे.एन.यू., नई दिल्ली

अपर्णा पांडे, *आचार्य* (भूगोल), सामाजिक विज्ञान शिक्षा विभाग, रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली

अभिषेक आंनद, स्वतंत्र शोधकर्ता

अंकित जोशी, *प्रवक्ता*, राजनीति विज्ञान, रा.ई.का. बुरांसखंडा, रायपुर, देहरादून, उत्तराखंड

ए.एम. सकलानी, *पूर्व वरिष्ठ क्षेत्रीय निदेशक*, इग्नू

एन.के. विश्नोई, *आचार्य* (अर्थशास्त्र), गुरु जम्भेश्वर विश्वविद्यालय, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी हिसार, हरियाणा

जया सिंह, *आचार्य* (अर्थशास्त्र), सामाजिक विज्ञान शिक्षा विभाग, रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली

दीपिका शुक्ला, *जे.पी.एफ.*, सामाजिक विज्ञान शिक्षा विभाग, रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली

भावना पालीवाल, *एजुकेटर* एवं *सीनियर कंसल्टेंट*, कार्यक्रम कार्यालय, एन.एस.टी.सी.

भैरू लाल यादव, *सह-आचार्य*, सामाजिक विज्ञान शिक्षा विभाग, रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली

रश्मि, *सह-आचार्य* (वाणिज्य, व्यवसाय अध्ययन), सामाजिक विज्ञान शिक्षा विभाग, रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली

रामनाथ झा, *आचार्य*, संस्कृत एवं प्राच्यविद्या अध्ययन संस्थान, जे.एन.यू., नई दिल्ली

वांगथांग खोबुंग, *सहायक आचार्य* (राजनीति विज्ञान), सामाजिक विज्ञान शिक्षा विभाग, रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली

शुचि दयाल, स्वतंत्र शोधकर्ता

शंकर शरण, *आचार्य* (राजनीति विज्ञान), सामाजिक विज्ञान शिक्षा विभाग, रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली

स्वस्ति शर्मा, *कंसल्टेंट*, कार्यक्रम कार्यालय, एन.एस.टी.सी.

साकेत बहुगुणा, *सहायक आचार्य* (भाषा विज्ञान) केंद्रीय हिंदी संस्थान, दिल्ली केंद्र; तथा *सदस्य*, कार्यक्रम कार्यालय, एन.एस.टी.सी.

सारिका चंद्रवंशी साजू, *आचार्य* (समाजशास्त्र), सामाजिक विज्ञान शिक्षा विभाग, रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली

सीमा शुक्ला ओझा, *आचार्य* (इतिहास), सामाजिक विज्ञान शिक्षा विभाग, रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली, सी.ए.जी. (सामाजिक विज्ञान)

संजीव रंजन, *सह-आचार्य*, (राजनीति विज्ञान), सामाजिक विज्ञान शिक्षा विभाग, रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली

© NCERT not to be republished

Reprint 2026-27

आभार

राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद् (रा.शै.अ.प्र.प.) राष्ट्रीय पाठ्यचर्या रूपरेखा पर्यवेक्षण समिति के माननीय अध्यक्ष एवं सदस्यों के मार्गदर्शन एवं सहयोग के प्रति आभार प्रकट करती है, जिन्होंने इस पाठ्यपुस्तक में एन.सी.एफ.-एस.ई. 2023 के दृष्टिकोणों के अनुवाद के पर्यवेक्षण में अमूल्य योगदान दिया। साथ ही, राष्ट्रीय पाठ्यक्रम और शिक्षण-अधिगम सामग्री निर्माण समिति के अध्यक्ष, सह-अध्यक्ष एवं सदस्यों को भी धन्यवाद ज्ञापित करती है, जिन्होंने इस पुस्तक की गहन समीक्षा के माध्यम से अपना निरंतर मार्गदर्शन प्रदान किया। इसके अतिरिक्त, रा.शै.अ.प्र.प. सामाजिक विज्ञान और अर्थशास्त्र के पाठ्यचर्या क्षेत्र समूहों के अध्यक्षों, सदस्यों एवं अन्य संबंधित समूहों के प्रति आभार प्रकट करती है, जिन्होंने पार-अनुशासिक विषयों (क्रॉस-कटिंग थीम्स) को समाहित करने में सहयोग और मार्गदर्शन दिया।

पाठ्यपुस्तक निर्माण में सामाजिक विज्ञान और अर्थशास्त्र के पाठ्यचर्या क्षेत्र समूहों के सदस्यों की सहभागिता और योगदान अत्यंत महत्वपूर्ण है। परिषद्, इस पाठ्यपुस्तक में पार-अनुशासिक विषयों के समेकन में योगदान देने वाले अन्य पाठ्यचर्या क्षेत्र समूहों के अध्यक्षों और सदस्यों को भी विशेष रूप से धन्यवाद ज्ञापित करती है।

इस पाठ्यपुस्तक के निर्माण के प्रत्येक चरण में सहयोग प्रदान करने वाले कार्यक्रम कार्यालय, एन.एस.टी.सी. के सामाजिक विज्ञान दल के सदस्यों की अथक मेहनत एवं समर्पण विशेष रूप से उल्लेखनीय रहा है। परिषद्, बैनियन ट्री की श्वेता राव के भी विशेष आभारी हैं, जिन्होंने इस पाठ्यपुस्तक के आकर्षक डिजाइन, रूप-सज्जा और दृश्य गुणवत्ता में अत्युत्तम योगदान दिया तथा संपूर्ण प्रक्रिया में निरंतर निष्ठापूर्वक कार्य किया।

परिषद्, सेंटर फॉर पॉलिसी स्टडीज (चेन्नई) के एम.डी. श्रीनिवास, भारतीय सांख्यिकीय संस्थान (कोलकाता) के अमर्त्य कुमार दत्ता, आई.आई.टी.-बी.एच.यू. के रसायन विज्ञान विभाग के वी. रामानाथन को धन्यवाद ज्ञापित करती है, जिन्होंने भारतीय ज्ञान प्रणालियों के क्षेत्र में विशेषज्ञ मार्गदर्शन प्रदान किया।

परिषद्, एम. प्रमोद कुमार, फणीन्द्र शर्मा, राजाश्री सैलिग्रामा और सिद्धार्थ ए. भार्गव (कार्यक्रम कार्यालय, एन.एस.टी.सी) के प्रति आभारी है, जिन्होंने अपने महत्वपूर्ण सुझाव दिए।

परिषद्, एन.एम.एम. की कलाकार एवं परामर्शदाता और ग्लोबल नॉलेज नेटवर्क सोसायटी (जी.के.एन.एस.) की अध्यक्ष आराधना गुप्ता; कर्नाटक संगीत गायक, इंडियन म्यूजिक एक्सपीरियंस म्यूजियम आर्ट्स की परामर्शदाता एवं बोर्ड सदस्य (पूर्व निदेशक) मानसी प्रसाद तथा भरतनाट्यम की कलाकार, शिक्षक एवं अंतर्राष्ट्रीय प्रस्तुतिकर्ता सुहानी धन्की के प्रति आभारी है, जिन्होंने अपना विशेषज्ञ मार्गदर्शन प्रदान किया।

© NCERT not to be republished

Reprint 2026-27

चित्रांकन कार्य में अल्बर्ट श्रीवास्तव, अत्रि चेतन, निधि कश्यप, प्राची सहस्रबुद्धे और प्रशांत सिंह— अभिनव डिजाइनों एवं रेखाचित्रों के लिए प्रशंसा के पात्र हैं, जिन्होंने पुस्तक की दृश्य गुणवत्ता को महत्वपूर्ण ढंग से समृद्ध किया। मानचित्रों को जीवंत बनाने के लिए अर्काप्रोवो दास का योगदान अत्यधिक सराहनीय है।

परिषद्, इस पुस्तक के प्रकाशन और इसे अंतिम रूप देने के लिए प्रकाशन प्रभाग की भी आभारी है। इस प्रक्रिया में भाषा संपादन हेतु अतुल मिश्रा, *संपादक* (संविदा); राहुल सेमवाल, *सहायक संपादक* (संविदा); श्रेया गुप्ता, प्रज्ञा दुबे, अब्दुल मज़ीद, *प्रूफरीडर* (संविदा); तथा पवन कुमार बरियार, *प्रभारी, डी.टी.पी. प्रकोष्ठ*; एवं मो. रिजवान, वकार युनिस, मनोज कुमार, शिवशंकर दुबे, *डी.टी.पी. ऑपरेटर* (संविदा) तथा समीर अंसारी, *टाइपिस्ट* (संविदा) के प्रति भी आभार व्यक्त करती है।

© NCERT not to be republished

Reprint 2026-27

विषय सूची

आमुख *iii*

विद्यार्थी के नाम पत्र *v*

इस पुस्तक के साथ आपकी यात्रा *vii*

विषय (क) — भारत एवं विश्व : भूभाग एवं उनके निवासी

1. प्राकृतिक संसाधन एवं उनका उपयोग 1

विषय (ख) — अतीत के चित्रपट

2. भारत के राजनैतिक मानचित्र का पुनर्निर्माण 21
3. मराठा साम्राज्य का उदय 61
4. भारत में औपनिवेशिक काल 83

विषय (घ) — शासन प्रणाली और लोकतंत्र

5. सार्वभौमिक मताधिकार और भारत की निर्वाचन प्रणाली 117
6. संसदीय प्रणाली—विधायिका और कार्यपालिका 139

विषय (ङ) — हमारे आस-पास का आर्थिक जीवन

7. उत्पादन के कारक 163

शब्दावली *186*

बाह्य स्रोतों से प्राप्त चित्र और मानचित्र *189*

© NCERT not to be republished

भारत का संविधान

भाग 4क

नागरिकों के मूल कर्तव्य

अनुच्छेद 51 क

मूल कर्तव्य – भारत के प्रत्येक नागरिक का यह कर्तव्य होगा कि वह –

(क) संविधान का पालन करे और उसके आदर्शों, संस्थाओं, राष्ट्रध्वज और राष्ट्रगान का आदर करे;

(ख) स्वतंत्रता के लिए हमारे राष्ट्रीय आंदोलन को प्रेरित करने वाले उच्च आदर्शों को हृदय में संजोए रखे और उनका पालन करे;

(ग) भारत की संप्रभुता, एकता और अखंडता की रक्षा करे और उसे अक्षुण्ण बनाए रखे;

(घ) देश की रक्षा करे और आह्वान किए जाने पर राष्ट्र की सेवा करे;

(ङ) भारत के सभी लोगों में समरसता और समान भ्रातृत्व की भावना का निर्माण करे जो धर्म, भाषा और प्रदेश या वर्ग पर आधारित सभी भेदभावों से परे हो, ऐसी प्रथाओं का त्याग करे जो महिलाओं के सम्मान के विरुद्ध हों;

(च) हमारी सामासिक संस्कृति की गौरवशाली परंपरा का महत्त्व समझे और उसका परिरक्षण करे;

(छ) प्राकृतिक पर्यावरण की, जिसके अंतर्गत वन, झील, नदी और वन्य जीव हैं, रक्षा करे और उसका संवर्धन करे तथा प्राणिमात्र के प्रति दयाभाव रखे;

(ज) वैज्ञानिक दृष्टिकोण, मानववाद और ज्ञानार्जन तथा सुधार की भावना का विकास करे;

(झ) सार्वजनिक संपत्ति को सुरक्षित रखे और हिंसा से दूर रहे;

(ञ) व्यक्तिगत और सामूहिक गतिविधियों के सभी क्षेत्रों में उत्कर्ष की ओर बढ़ने का सतत प्रयास करे, जिससे राष्ट्र निरंतर बढ़ते हुए प्रयत्न और उपलब्धि की नई ऊँचाइयों को छू सके; और

(ट) यदि माता-पिता या संरक्षक है, छह वर्ष से चौदह वर्ष तक की आयु वाले अपने, यथास्थिति, बालक या प्रतिपाल्य को शिक्षा के अवसर प्रदान करे।

© NCERT not to be republished